बाइबल की एक कहानी



आशा | उद्देश्य | जीवन

बचाव



जक्कई

एक ऐसे मनुष्य की कहानी जो यीशु को देखना चाहता था और उसे नया जीवन मिला।



यीशु यरीहो आया

यीशु यरीहो नगर में प्रवेश करके वहाँ से होकर जा रहा था। बहुत से लोग सड़कों पर इकट्ठे हुए क्योंकि वे उसे देखना और उसकी बातें सुनना चाहते थे।



जक्कई नाम का कर लेने वाला

उस नगर में जक्कई रहता था। वह चुंगी लेने वालों का प्रधान था और बहुत धनवान था, पर लोग उसे पसन्द नहीं करते थे क्योंकि उसने अन्याय से धन कमाया था।



वह यीशु को देखना चाहता था

जक्कई जानना चाहता था कि यीशु कौन है। वह भीड़ के पास गया, पर वह कद में छोटा था और इतने लोगों के ऊपर से देख नहीं सकता था।



वह आगे दौड़ा

तब जक्कई सड़क पर दौड़कर आगे निकल गया। उसने सोचा कि कोई ऐसी जगह मिले जहाँ से यीशु को गुजरते समय अच्छी तरह देख सके।



वह गूलर के पेड़ पर चढ़ा

जक्कई ने रास्ते के पास एक गूलर का पेड़ देखा और उसकी डालियों में चढ़ गया। वहाँ से भीड़ के पीछे छिपे बिना वह यीशु को अच्छी तरह देख सकता था।



यीशु रुक गया

जब यीशु उस स्थान पर पहुँचा, उसने ऊपर देखा।
उसने पत्तों के बीच छिपे जक्कई को देखा और
उसका नाम लेकर पुकारा।



जक्कई, जल्दी नीचे उतर

यीशु ने कहा, ‘जक्कई, जल्दी नीचे उतर, क्योंकि आज मुझे तेरे घर ठहरना है।’ जक्कई को विश्वास ही नहीं हो रहा था कि यीशु उसके घर आना चाहता है।



उसने आनन्द से स्वागत किया

जक्कई तुरन्त नीचे उतरा और बहुत आनन्द के साथ यीशु को अपने घर ले गया। यह मुलाकात उसके द्वारा इकट्ठे किए सारे धन से अधिक महत्वपूर्ण थी।



लोग कुड़कुड़ाने लगे

कुछ लोग कहने लगे, ‘यीशु एक पापी के घर ठहरने गया है।’ वे जक्कई की गलतियाँ देखते थे, पर यीशु यह भी देखता था कि वह क्या बन सकता है।



जक्कई ने निर्णय लिया

यीशु के सामने जक्कई खड़ा हुआ और उसने एक निर्णय सुनाया: वह अपनी आधी सम्पत्ति गरीबों को देगा।



जो लिया था वह लौटाएगा

उसने यह भी प्रतिज्ञा की कि यदि उसने किसी से अधिक धन लिया है तो वह उसे चार गुना लौटाएगा। उसका पश्चाताप सचमुच उसके जीवन को बदल रहा था।



उद्धार उसके घर आया

यीशु ने कहा, ‘आज इस घर में उद्धार आया है, क्योंकि यह भी अब्राहम का पुत्र है।’ जक्कई ने विश्वास से उत्तर दिया और उसका जीवन बदल गया।



यीशु खोजने और बचाने आया

यीशु ने कहा, ‘मनुष्य का पुत्र खोए हुओं को खोजने और उनका उद्धार करने आया है।’ उसके प्रेम की पहुँच से कोई बाहर नहीं था, जक्कई भी नहीं।